स्कूल शौचालय-वेस्ट का निपटान करने वाला संयंत्र

केस अध्ययन: तमिल नाडु

राजीव गांधी राष्ट्रीय पेय जल आपूर्ति
पेयजल आपूर्ति विभाग
ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार

सकूल शौचालय के वेस्ट निपटान संयंत्र का उपयोग

केस अध्ययन: तमिल नाडु

भूमिका:

समग्र स्वच्छता अभियान ने गाँवों में स्कूलों, आंगनवाड़ियों, स्वास्थ्य केंद्रों आदि जैसी अन्य संस्थाओं सहित स्वच्छता सुविधाओं के सुधार में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग एक स्वागत योग्य परिवर्तन किया है, गाँव में इन सभी संस्थानों में स्वच्छता कवरेज में वृद्धि करने के साथ-साथ दोनों जैविक एवं गैर जैविक वेस्ट स्वास्थ्य के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकता है यदि इनका ठीक प्रकार से निपटान नहीं किया जाता है। विशेष रूप से स्कूलों में लड़कियों के शौचालयों में स्वच्छता कपड़े और स्वच्छता नैपकिनों रूमालों का निपटान बड़ी समस्या है। जब इसका निपटान शौचालय में किया जाता है तो यह शौचालयों के ठीक प्रकार से कार्य करने को प्रभावित करते हैं और यदि इन्हें कूड़ाघर या खुले में डालते हैं तो ये स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या पैदा करते हैं। अत: इस महत्वपूर्ण स्वच्छता वेस्ट को प्रभावी तरीके से निपटान करने की अति आवश्यकता है विशेष रूप से स्कूल के लिए कम्पोनिट वेस्ट के निपटान के लिए बढ़ती हुई प्रभावी लागत और सामान्य तकनीक के रूप में।

तमिल नाडु में स्वच्छता वेस्ट के ठीक प्रकार से निपटान के लिए नवीन, कम लागत की तकनीक वाले निपटान संयंत्र को विकसित किया गया है। यह सरल, सुरक्षित एवं कम लागत का डिजाइन है। इसे अनुक ग्रामीण स्कूलों और महिला स्वच्छता काम्पलैक्सों में पहले ही लगाया जा चुका है। यह संयंत्र वेस्ट जैसे- मैले/गंदे कपड़ों, कॉटन वेस्ट, स्वच्छता संबंधी नेपकिनों, पेपर-तौलियों आदि को जला देता है। यह वेस्ट फिर राख और अन्य गैर खतरनाक पदार्थों में परिवर्तित हो जाता है। यह संयंत्र प्रयोग अनुकूल है और हाथ से संचालित किया जाता है। इस तकनीक की लागत बहुत अधिक नहीं है जो लगभग रू० 1200-1500 मात्र है। (विस्तृत लागत तालिका के लिए अनुलग्नक 1 को देखें)।इस संयंत्र में दो चैम्बर होते हैं आग जलाने के लिए दरवाजे सहित एक धुआँ नियंत्रण प्रणाली और राख का निपटान 1 प्रत्येक संयंत्र के चैम्बर में मैले नेपकिनों के निपटान के लिए शौचालय की दीवार में एक स्पाउट/ओपनिंग है (जैसा चित्र 2में दिखाया गया है) मैले नेपकिन को शौचालय की दीवार की दूसरी तरु चेम्बर में वायर-गेज पर गिरा दिया जाता है। लोअर चेम्बर में डोर/फायरिंग इनलेट के माध्यम से हर सप्ताह इस गिराए गए नेपकिन और अन्य वेस्ट को आग लगाई जाती है (जैसा चित्र 4 में दिखाया गया है)। पूरा संयंत्र शौचालय की बाहरी दीवार से सटा हुआ होता है। जब स्वच्छता वेस्ट को आग लगाई जाती है तो गैस के पदार्थों के निपटान के लिए धुआँ निकलने का स्थान उपलब्ध कराया जाता है।

शौचालयोंसे जुड़े इस सरल संयंत्र की लड़कियों और अध्यापकों द्वारा बहुत ही सराहना की गई है। मासिक धर्म के दौरान स्कूल आने पर लड़कियों में होने वाली इस परेशानी को इस संयंत्र के उपयोग ने दूर कर दिया है और इन विशेष दिनों में अब उन्हें स्कूल आने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती।

शौचालयों में इस स्वच्छता वेस्ट निपटान के कारण किसी प्रकार की ब्लाकेज/रूकावट भी नहीं होती। इन संयंत्रों के लिए अपेक्षित ऐसी कम लागत से स्कूल स्वास्थ्य खतरे की जाँच के लिए स्वच्छता वेस्ट के गेहतर निपटान के लिए शौचालयों मे ऐसी तकनीक का प्रयोग कर सकते हैं और बाद में बच्चों विशेष रूप से लड़कियों के लिए साफ शौचालय और स्वस्थ शिक्षण वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया श्रीमती पी० अमुधा, परियोजना अधिकारी, यूनिसेफ, ई मेल: pamudha@unicef.org से संपर्क करें।

अनुलग्नक-।

<u>वेस्ट निपटान संयंत्र की लागत की विस्तृत तालिका:</u>

क्रम सं०	सामग्री	अपेक्षित सं	दर	राशि
1	कंट्री ब्रिक्स (भारतीय ईंटें)	250	1.25	313.00
2	सीमेंट	2 बैग	150/बैग	300.00
3	रेत(सैंड)	-	150	150.00
4	वैल्डवायर मैश	9 वर्ग फुट	9.50	85.00
5	कुड्डपा स्लैब	12 वर्ग फुट	15.00	180.00
6	लेबर प्रभार मेसन और मजदूर		200.00	200.00
7	एसी पाइप 6 फीट लम्बाई,कवर पाइप, कैम्प, नेल की लागत		150.00	150.00
8	सफेदी कराना, कलर, वाशिंग और पेंटिंग, लैटरिंग और फोटो प्रभार		122.00	122.00
	योग			1500.00

नोट: इसकी लागत रू० 1200/- होगी यदि शौचालय काम्पलैक्स का बेसमेंट ग्राउंड लेवल पर है।